लाचू मेमोरियल कॉलेज ऑफ साइंस एंड टेक्नोलोजी, जोधपुर के 41 विद्यार्थियों ने किया आफरी का भ्रमण दिनांक 10/4/19

दिनांक 10/04/19 को लाचू मेमोरियल कॉलेज ऑफ साइंस एंड टेक्नोलोजी , जोधपुर के प्राणी-शास्त्र एवं पर्यावरण विज्ञान प्रभाग के एम.एस.सी प्राणी-शास्त्र II एवं IV सेमेस्टर के 41 विद्यार्थियों ने संकाय सदस्य डॉ. योगिता छंगाणी (एसो. प्रोफेसर), डॉ. रंजीता माथुर (एसि. प्रोफेसर) एवं डॉ. अभिषेक राजपुरोहित (एसि. प्रोफेसर) के साथ शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर का भ्रमण किया। संस्थान के निदेशक श्री मानाराम बालोच , भा.व.से. ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद , देहारादून तथा शुष्क वन अनुसंधान संस्थान का संक्षिप्त परिचय कराते हुए वानिकी अनुसंधान एवं वैज्ञानिक प्रबंधन की पृष्ठ भूमि के बारे में जानकारी दी। श्री बालोच ने विद्यार्थियों को शुष्क व अर्ध शुष्क का अर्थ बताते हुए शुष्क वन अनुसंधान संस्थान द्वारा किए जाने वाले अनुसंधान के विषय-वस्तु की जानकारी दी। उन्होंने किसानों तक नई तकनीकी पहुंचाने सहित विस्तार गतिविधियों की जानकारी देते हुए वन-विज्ञान केंद्र के बारे में बताया। श्री बालोच ने ''प्रकृति'' कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि स्कूल/कॉलेज स्तर पर ही वन एवं वन्य जीवन के सहज ज्ञान के प्रति विद्यार्थियों में जागरूकता विकसित की जानी चाहिए। श्री उमाराम चौधरी , भा.व.से., प्रभागाध्यक्ष विस्तार ने पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से संस्थान की वानिकी शोध गतिविधियों की जानकारी दी।

इससे पूर्व भ्रमण के प्रारम्भ में विद्यार्थियों ने संस्थान की उच्च तकनीक एवं प्रायोगिक पौधशाला का भ्रमण कर पौधशाला प्रबंधन के विभिन्न पहलू एवं पौधशाला स्थित औषधीय पौधों के जर्मप्लाज्म बेंक में औषधीय पौधों की जानकारी ली। विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी , भा.व.से. ने विद्यार्थियों को मदर बेड , बेड, कंटेनर, रूट ट्रेनर, कंटेनर हेतु मिश्रण , मिस्ट चेम्बर , कंपोस्टिंग, बीज बुवाई , प्रिकिंग, कटिंग इत्यादि सहित नर्सरी में तैयार विभिन्न प्रजातियों के पौधों, औषधीय जर्मप्लाज्म बेंक में विभिन्न औषधीय पादपों इत्यादि की जानकारी करवायी। इसके बाद विद्यार्थियों ने संस्थान के विस्तार एवं निर्वचन केंद्र का भ्रमण कर वहाँ प्रदर्शित विभिन्न सूचनाओं एवं सामग्री का अवलोकन किया। श्री उमाराम चौधरी ने विद्यार्थियों को अवक्रमित पहाड़ियों का पुनर्वासन , टिब्बा स्थिरीकरण , जल

प्लावित भूमि का पुनर्वासन , लवण प्रभावित भूमि का पुनर्वासन/ वृक्षारोपण तकनीक , कृषि वानिकी इत्यादि जानकारी विद्यार्थियों को करवायी।

विद्यार्थियों ने आणविक जीव-विज्ञान प्रयोगशाला , उत्तक संवर्धन , वन संरक्षण प्रयोगशाला , आई.सी.पी.एम.एस. प्रयोगशाला का भ्रमण कर शोध कार्यों संबंधी जानकारी ली। आणविक जीव-विज्ञान प्रयोगशाला में श्री आतिफ इकबाल , उत्तक संवर्धन प्रयोगशाला में वैज्ञानिक ''जी'' डॉ. सरिता आर्य, वन संरक्षण प्रयोगशाला में वैज्ञानिक ''ई'' डॉ. संगीता सिंह एवं श्री अमीनउल्लाह खान , तकनीकी अधिकारी , आई.सी.पी.एम.एस. प्रयोगशाला में श्री गंगाराम , तकनीकी अधिकारी एवं श्री अनिल शर्मा, तकनीकी अधिकारी ने शोध संबंधी जानकारी विद्यार्थियों को दी। श्रीमती संगीता त्रिपाठी, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी ने अकाष्ठ वनोत्पादों के मूल्य संवर्धन संबंधी जानकारी दी।

विद्यार्थियों को परिसर स्थित वानस्पतिक प्रजातियों की भी जानकारी दी गई। भ्रमणकारी दल को संस्थान का प्रचार-प्रसार साहित्य भी उपलब्ध कराया गया।

भ्रमण कार्यक्रम में श्रीमती कुसुम परिहार , तकनीकी अधिकारी, श्री धानाराम, तकनीकी अधिकारी एवं श्री तेजाराम का सहयोग रहा।

STRUCTURES
SITE (2009-10)
RESTORATION OF WATERLOGGED AREA THROUGH

SITE (2009-10)
PLANTATION
COMMUNITY INVOLVEMENT FOR SDS
CARE FOR INDIVIDUAL PLANT
THROUGH DIRECT SOWING OF PHOG
SAVING THE CANAL THROUGH SHELTERBELT
शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी), जोधपुर

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान
भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद